# न्यूज़ टुडे

## भारत में पोलियो उन्मूलन के 10 वर्ष पूरे हुए

- **मार्च 2014 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने भारत को निम्नलिखित मानदंडों को पूरा करने के आधार पर पोलियो मुक्त घोषित किया था:**
  - तीन वर्ष तक वाइल्ड पोलियो वायरस के संक्रमण का कोई भी मामला न होना,
  - मजबूत निगरानी प्रणाली, तथा
  - पोलियो वायरस के शेष स्टॉक को नष्ट करना।
    - यह दशकों के समर्पित प्रयासों का परिणाम था। यह भारत की **वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल (GPEI) में भागीदारी और सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP) के तहत राष्ट्रीय टीकाकरण प्रयासों** से ही संभव हुआ है।
- **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP) के बारे में**
  - यह विश्व के सबसे बड़े लोक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक है। इसके तहत **टीके से रोके जा सकने वाले 12 रोगों के लिए निःशुल्क टीके** लगाए जाते हैं।
  - **1985 में 'विस्तारित टीकाकरण कार्यक्रम' का नाम बदलकर UIP** कर दिया गया था। साथ ही, इसकी पहुंच शहरी क्षेत्रों से आगे बढ़ाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों तक भी कर दी गई।
- **भारत में पोलियो मुक्त स्थिति को बनाए रखने के लिए किए गए निवारक उपाय**
  - **वार्षिक पोलियो अभियान: राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (NID) और उप-राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (SNID) प्रतिवर्ष आयोजित** किए जाते हैं। इनका उद्देश्य बच्चों में प्रतिरक्षा प्रणाली के स्तर को उच्च बनाए रखना है और यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रह जाए।
  - **निगरानी और सीमाओं पर टीकाकरण:** अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर टीकाकरण से **पोलियो प्रभावित क्षेत्रों से भारत में फिर से पोलियो वायरस के प्रवेश के जोखिम को कम करने** में मदद मिलती है।
  - **इनएक्टिव पोलियो वैक्सीन (IPV):** इसे 2015 में अपनाया गया था। यह वैक्सीन पोलियो, विशेषकर **टाइप-2 पोलियोवायरस के खिलाफ अतिरिक्त सुरक्षा** प्रदान करती है।
  - **मिशन इंद्रधनुष:** इसे 2014 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य **टीकाकरण कवरेज को 90% तक बढ़ाना** है। इसके तहत **टीकाकरण की निम्न दर वाले दुर्गम क्षेत्रों पर विशेष ध्यान** दिया जाता है।

### पोलियोमाइलाइटिस (पोलियो) के बारे में

- यह अत्यधिक संक्रामक **वायरल रोग है,** जो मुख्यतः **5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को प्रभावित** करता है।
- **प्रसार:** यह व्यक्ति-से-व्यक्ति में मुख्यतः **फेकल-ओरल-रूट** से फैलता है। कभी-कभी यह किसी सामान्य माध्यम (जैसे, दूषित जल या भोजन) द्वारा भी फैलता है। आंत में पहुंचने के बाद इसकी संख्या में वृद्धि होने लगती है। तत्पश्चात यह तंत्रिका तंत्र पर आक्रमण कर सकता है, जिससे पक्षाघात हो सकता है।
- **दुनिया भर में वाइल्ड पोलियोवायरस स्ट्रेन की मौजूदा स्थिति पर एक नजर**
  - **टाइप-1:** 2022 तक के आंकड़ों के अनुसार यह पाकिस्तान और अफगानिस्तान में एंडेमिक बना हुआ है।
  - **टाइप-2:** इसका **1999 में उन्मूलन** हो गया था।
  - **टाइप-3:** इसका **2020 में उन्मूलन** हो गया था।
- **टीका-जनित पोलियो** तब होता है, जब ओरल पोलियो वैक्सीन (OPV) में अटैंयूएटेड स्ट्रेन उत्परिवर्तित हो जाता है। अतः इस उत्परिवर्तन के चलते यह वायरस निम्न टीकाकरण कवरेज वाली आबादी में पक्षाघात करने की क्षमता पुनः प्राप्त कर सकता है।

## इटली-भारत ने 'संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029' का अनावरण किया

- **भारत और इटली ने ब्राजील में जी-20 शिखर सम्मेलन** के दौरान द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक के दौरान दोनों देशों ने **रक्षा, ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रकों में सहयोग के लिए अपने विज़न को रेखांकित** किया। साथ ही, 5-वर्षीय **'संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना'** का अनावरण भी किया।
- **संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर:**
  - **आर्थिक सहयोग:** दोनों देश **'संयुक्त आर्थिक सहयोग आयोग' और 'खाद्य प्रसंस्करण पर कार्य समूह'** के माध्यम से हरित प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रकों में **व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने पर सहमत हुए।**
  - **कनेक्टिविटी:** दोनों देशों ने **भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEEC)** पर सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की। IMEEC एक रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य **भारत, मध्य पूर्व और यूरोप के बीच कनेक्टिविटी व व्यापार** को बढ़ाना है।
  - **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:** दोनों पक्षों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) एवं डिजिटलीकरण जैसी **महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में सहयोग** बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। साथ ही, **वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी सहयोग के लिए 2025-27 कार्यकारी कार्यक्रम** के कार्यान्वयन पर भी सहमति व्यक्त की गई।
    - दोनों देशों ने **शैक्षणिक और औद्योगिक सहयोग** को बढ़ावा देने के लिए एक नए **इंडो-इटैलियन इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन एक्सचेंज प्रोग्राम की** भी शुरुआत की।
  - **एनर्जी ट्रांजीशन:** दोनों देश **"तकनीकी शिखर सम्मेलन"** आयोजित करने तथा **वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन** जैसे गठबंधनों को मजबूत करने पर भी सहमत हुए।
  - **रक्षा सहयोग:** दोनों पक्षों ने रक्षा मामलों में समन्वय में सुधार के लिए **वार्षिक संयुक्त रक्षा सलाहकारी (JDC) बैठकें और संयुक्त स्टाफ वार्ता (JST)** आयोजित करने का निर्णय लिया।
    - दोनों देशों ने रक्षा विनिर्माण में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए **रक्षा औद्योगिक रोडमैप** स्थापित करने पर भी चर्चा की।

### भारत-इटली संबंध

- **राजनीतिक:** भारत और इटली के बीच राजनयिक संबंध 1947 में स्थापित हुए थे।
- **आर्थिक:** इटली **यूरोपीय संघ में भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।**
  - 2022-23 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार **14.253 बिलियन अमेरिकी डॉलर** को पार कर गया था। **व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है।**
- इटली में **भारतीय प्रवासियों** की संख्या अनुमानतः **2 लाख** है।
  - सुरक्षित और वैध प्रवास की सुविधा के लिए भारत व इटली के बीच **प्रवासन और आवागमन साझेदारी समझौता (2023)** संपन्न हुआ है।

## G20 शिखर सम्मेलन 2024 "रियो डी जनेरियो घोषणा-पत्र" को अपनाने के साथ संपन्न हुआ

- G-20 **रियो डी जेनेरियो घोषणा-पत्र** का उद्देश्य प्रमुख वैश्विक चुनौतियों और संकटों का समाधान करना तथा **मजबूत, संधारणीय एवं समावेशी विकास** को बढ़ावा देना है।
  - G-20 शिखर सम्मेलन 2024 की थीम थी- **'एक न्यायपूर्ण विश्व और एक संधारणीय ग्रह का निर्माण' (Building a Just World and a Sustainable Planet)**।
- **घोषणा-पत्र के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर:**

  **इस शिखर सम्मेलन में निम्नलिखित तीन प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया:**
  - **सामाजिक समावेशन तथा भुखमरी एवं गरीबी के खिलाफ लड़ाई:**
    - **भुखमरी और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन:** इसे गरीबी और भुखमरी उन्मूलन के लिए शुरू किया गया है। (बॉक्स देखें)
    - **स्थानीय एवं क्षेत्रीय उत्पादन, नवाचार और न्यायसंगत पहुंच के लिए वैश्विक गठबंधन:** इसे उपेक्षित बीमारियों और सुभेद्य व्यक्तियों के लिए टीकों, निदान एवं अन्य स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों तक पहुंच को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया जाएगा।
  - **सतत विकास, एनर्जी ट्रांजिशन और जलवायु कार्रवाई:**
    - **इसने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लामबंदी पर टास्क फोर्स की स्थापना का स्वागत किया।**
      - जलवायु कार्रवाई के लिए (विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए) निजी पूंजी प्रवाह को बढ़ावा देने हेतु संरचनात्मक बाधाओं की पहचान करने और उनका समाधान करने के लिए इसकी स्थापना की गई है।
  - **वैश्विक गवर्नेंस संस्थाओं में सुधार:**
    - 21वीं सदी की वास्तविकताओं और मांगों के अनुरूप **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार करने का संकल्प** लिया गया। यह सुधार इसे अधिक समावेशी, प्रभावी, लोकतांत्रिक और जवाबदेह बनाने आदि पर केंद्रित होगा।
    - **बेहतर, बड़े और अधिक प्रभावी बहुपक्षीय विकास बैंकों (MDBs) के लिए G20 रोडमैप** का समर्थन किया गया।

**भुखमरी और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन**

- **उद्देश्य:** भुखमरी और गरीबी उन्मूलन के लिए वैश्विक प्रयासों में तेजी लाना।
- **सदस्य:** 148 (82 देश, अफ्रीकी संघ, यूरोपीय संघ आदि)
  - भारत भी इसका सदस्य है।
- **लक्ष्य:**
  - 2030 तक निम्न और निम्न-मध्यम आय वाले देशों में **नकद हस्तांतरण कार्यक्रमों** के माध्यम से **500 मिलियन लोगों** तक पहुंचना।
  - सुभेद्य देशों में अतिरिक्त **150 मिलियन बच्चों** को उच्च गुणवत्ता वाला स्कूली भोजन उपलब्ध कराना।

## UNFCCC COP-29 प्रेसीडेंसी ने अनेक नई पहलें शुरू की

- हाल ही में, जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन की COP29 प्रेसीडेंसी ने **"ऑर्गेनिक अपशिष्ट से मीथेन न्यूनीकरण घोषणा-पत्र"** और **"किसानों के लिए बाकू हार्मोनिया जलवायु पहल"** शुरू की।
  - ये घोषणाएं वास्तव में पिछले "पक्षकारों के सम्मेलनों (COPs)" में हुई चर्चाओं का परिणाम हैं। साथ ही, ये घोषणाएं **2021 के COP26** में लॉन्च की गई **ग्लोबल मीथेन प्लेज (GMP)** को लागू करने का समर्थन करती हैं।
- **"ऑर्गेनिक अपशिष्ट से मीथेन न्यूनीकरण घोषणा-पत्र" के बारे में:**
  - इस पर हस्ताक्षर करने वाले देशों ने ऑर्गेनिक अपशिष्ट से मीथेन उत्सर्जन कम करने के लिए **अलग-अलग क्षेत्रकों के लिए लक्ष्य** तय किए हैं। ये लक्ष्य भविष्य के **"राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDC)"** के तहत प्राप्त किए जाएंगे।
    - देशों ने **अलग-अलग क्षेत्रकों से मीथेन उत्सर्जन** की कमी के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए **नीतियों और रोडमैप को लागू करने की प्रतिबद्धताएं** भी व्यक्त की हैं।
    - गौरतलब है **ऑर्गेनिक अपशिष्ट मानवीय गतिविधियों से मीथेन उत्सर्जन का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत है**। प्रथम दो सबसे बड़े स्रोत **कृषि और जीवाश्म ईंधन** हैं।
  - इस घोषणा-पत्र को संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्यक्रम (UNEP) द्वारा आयोजित **जलवायु और स्वच्छ वायु गठबंधन (CCAC)** के सहयोग से विकसित किया गया है।
    - CCAC एक **स्वैच्छिक साझेदारी** है। इसकी **स्थापना 2012 में** हुई थी। इसका उद्देश्य **मीथेन, ब्लैक कार्बन, हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFC)** और **क्षोभमंडलीय ओजोन जैसे अल्पकालिक जलवायु प्रदूषकों (SLCPs)** को कम करना है।
  - **हस्ताक्षरकर्ता:** इस घोषणा-पत्र पर **35 देशों** ने हस्ताक्षर किए हैं। ये देश **ऑर्गेनिक अपशिष्ट से 47% वैश्विक मीथेन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार** हैं। इस घोषणा-पत्र पर **भारत ने हस्ताक्षर नहीं किया** है।
- **"किसानों के लिए बाकू हार्मोनिया जलवायु पहल" के बारे में:**
  - यह एक नया **एग्रीगेटर प्लेटफ़ॉर्म** है। इसे **COP29 अज़रबैजान प्रेसीडेंसी** ने संयुक्त राष्ट्र-खाद्य एवं कृषि संगठन (UN-FAO) के साथ मिलकर लॉन्च किया है।
  - उद्देश्य: यह पहल किसानों को **जलवायु-अनुकूल एग्री-फूड सिस्टम्स** में बदलाव का समर्थन करने, निवेश बढ़ाने और किसानों, विशेष रूप से महिलाओं एवं युवाओं को **सशक्त बनाने वाले अलग-अलग कार्यक्रमों को जानने में मदद** करेगी।
  - इसे **फूड एंड एग्रीकल्चर फॉर सस्टेनेबल ट्रांसफॉर्मेशन (FAST) साझेदारी** के तहत UN-FAO होस्ट करेगा।
    - FAST एक **बहु-हितधारक प्लेटफॉर्म** है। इसे 2022 में आयोजित **COP-27 में स्थापित** किया गया था। यह सर्वाधिक संकट झेल रहे लोगों के लिए **एग्री-फूड सिस्टम्स** में जलवायु वित्त-पोषण की मात्रा और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कार्य करता है।

## आपदा-रोधी अवसंरचना गठबंधन (CDRI) ने 17 लघु द्वीपीय विकासशील देशों (SIDS) में 12 परियोजनाओं के लिए फंडिंग की घोषणा की

- CDRI ने इन परियोजनाओं की घोषणा अपने **इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर रेजिलिएंट आइलैंड स्टेट्स (IRIS) पहल** के तहत की है।
  - IRIS पहल को **वर्ल्ड लीडर्स समिट** के दौरान COP26 में आरंभ किया गया था। यह पहल एक व्यवस्थित दृष्टिकोण के माध्यम से SIDS देशों में लचीले, टिकाऊ और समावेशी अवसंरचनाओं को बढ़ावा देकर सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए समर्पित है।
- **SIDS के बारे में:**
  - SIDS देश **तीन भौगोलिक क्षेत्रों में अवस्थित हैं: कैरेबियन क्षेत्र; प्रशांत महासागर क्षेत्र;** और **अटलांटिक, हिंद महासागर एवं दक्षिण चीन सागर (AIS) क्षेत्र।**
  - 1992 में **पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन** के दौरान इस समूह की स्थापना की गई थी। इस समूह में **39 देश** और **संयुक्त राष्ट्र क्षेत्रीय आयोगों के 18 एसोसिएट सदस्य** शामिल हैं।
- **SIDS के लिए आपदा-रोधी अवसंरचनाओं की आवश्यकता क्यों है?**
  - **SIDS विश्व के सर्वाधिक आपदा-प्रवण देशों में से एक हैं।** इन देशों को चक्रवात, बाढ़, सूखा, समुद्र के जलस्तर में वृद्धि, भूकंप और सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं का लगातार सामना करना पड़ता है।
  - **सेंडाई फ्रेमवर्क मॉनिटर** के आंकड़ों के अनुसार, SIDS देशों में **आपदाओं से होने वाली मृत्यु दर, वैश्विक औसत से दोगुनी से भी अधिक है।**
  - आपदाओं के कारण **SIDS देशों को उनकी GDP का औसतन 2.1% नुकसान होता है,** जबकि अन्य देशों को लगभग 0.3% का ही नुकसान ही उठाना पड़ता है।

**आपदा-रोधी अवसंरचना गठबंधन (Coalition for Disaster Resilient Infrastructure: CDRI) के बारे में**

- **प्रारंभ:** CDRI की शुरुआत 2019 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में की गई थी।
- यह विभिन्न देशों की **राष्ट्रीय सरकारों, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और बहुपक्षीय विकास बैंकों** के बीच एक **वैश्विक साझेदारी** है। इसका लक्ष्य प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के खतरों से सुरक्षित रहने हेतु दुनिया भर की अवसंरचना को मजबूत बनाना है।
- **सदस्य:** 40 देश और 7 संगठन
- **प्रशासनिक व्यवस्था:** गवर्निंग काउंसिल की सह-अध्यक्षता दो राष्ट्रीय सरकारों के प्रतिनिधियों द्वारा की जाती है। इसमें भारत स्थायी रूप से सह-अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालता है।

## संयुक्त राष्ट्र-खाद्य एवं कृषि संगठन (UN-FAO) ने 'सांख्यिकी ईयरबुक 2024' जारी की

- FAO का **'सांख्यिकी ईयरबुक'** नीति-निर्माताओं, शोधकर्ताओं और विश्लेषकों हेतु **खाद्य एवं कृषि के अतीत, वर्तमान व भविष्य की दिशाओं को समझने के लिए** प्राथमिक तथा आवश्यक स्रोत है।
- **सांख्यिकी ईयरबुक 2024 के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र:**
  - **वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की हिस्सेदारी:** वर्ष 2000 से लगभग 4% पर स्थिर बनी हुई है।
  - **कृषि में कार्यरत वैश्विक कार्यबल:** वर्ष 2000 में **40%** कार्यबल कृषि में संलग्न था, जो घटकर **2022 में 26%** रह गया। 2022 में लगभग **892 मिलियन** लोगों की आजीविका का मुख्य स्रोत कृषि था।
    - **कृषि क्षेत्रक रोजगार का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत** है। रोजगार देने के मामले में **सेवा क्षेत्रक प्रथम स्थान** पर है।
  - **वैश्विक स्तर पर भोजन की कमी (Global Hunger):** 2023 में दुनिया की **9.1% आबादी को भोजन की कमी का सामना करना पड़ा।** यह प्रतिशत कोविड-19 महामारी से पहले के **7.5% के स्तर** की तुलना में काफी अधिक है।
- **सांख्यिकी ईयरबुक 2024 में भारत से संबंधित तथ्य या आंकड़े:**
  - **प्रति व्यक्ति फसल क्षेत्र (प्रति व्यक्ति हेक्टेयर):** भारत में वर्ष 2000 में **प्रति व्यक्ति औसत फसल क्षेत्र 0.16 हेक्टेयर** था, जो 2022 में **घटकर 0.12 हेक्टेयर** रह गया।
  - **भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्रक की हिस्सेदारी:** यह 27.9% से घटकर **2022 में 15.9%** पर पहुंच गई। हालांकि, यह हिस्सेदारी **4.3% के वैश्विक औसत और चीन में 7.7% की हिस्सेदारी** से कहीं अधिक है।
  - **रोजगार:** भारत में **2022 में कृषि क्षेत्रक में 226 मिलियन लोग** कार्यरत थे, जो **विश्व में सर्वाधिक** है। चीन में भारत के बाद सबसे अधिक, लगभग **170 मिलियन लोग कृषि कार्य में लगे** हुए थे।
    - भारत में कृषि क्षेत्रक में कार्यरत श्रमबल में **महिलाओं की हिस्सेदारी** वर्ष 2000 में **32.2% थी, जो बढ़कर 2022 में 36%** हो गई।
  - **कृषि उत्पादन:** 2022 में भारत 19% की हिस्सेदारी के साथ, दुनिया का **दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश** था। चीनी उत्पादन में **ब्राजील प्रथम स्थान** पर है। इसी तरह **23% की हिस्सेदारी** के साथ, भारत **दूध का सबसे बड़ा उत्पादक देश है।**
  - **अन्य तथ्य:**
    - 2022 में **भारत में 6% कृषि भूमि ऑर्गेनिक खेती** के अंतर्गत थी। **ऑस्ट्रेलिया** में यह अनुपात 46% था। इस प्रकार, ऑर्गेनिक खेती के कुल क्षेत्रफल के मामले में **भारत विश्व में दूसरे स्थान** पर है।
    - भारत में **76 मिलियन हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र** है, जो विश्व में सर्वाधिक है। 75 मिलियन हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र के साथ **चीन दूसरे स्थान पर** है।

# अन्य सुर्ख़ियां

## नियर ईस्ट में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (UNRWA)

- हाल ही में, भारत ने **UNRWA को 2.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की दूसरी किस्त** जारी की। इसके साथ ही 2024-25 के लिए 5 मिलियन डॉलर के वार्षिक योगदान की भारत की प्रतिबद्धता पूरी हो गई।
- **UNRWA के बारे में**
  - **उत्पत्ति:** इसे **1949 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक संकल्प द्वारा गठित** किया गया था। इसे **1948 के अरब-इजरायल युद्ध के बाद, फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए प्रत्यक्ष राहत और वर्क प्रोग्राम** चलाने के लिए गठित किया गया था।
  - **वित्त पोषण:** संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश **स्वैच्छिक तौर** पर योगदान फंड प्रदान करते हैं।
  - इसकी कार्यावधि **30 जून, 2026 तक** बढ़ा दी गई है।
  - **मुख्यालय:** अम्मान (जॉर्डन) और गाजा।
  - **कार्य का क्षेत्र:** जॉर्डन, लेबनान, सीरिया, गाजा पट्टी और पूर्वी येरुशलम सहित वेस्ट बैंक।

## वैश्विक ऊर्जा दक्षता गठबंधन (Global Energy Efficiency Alliance)

- अज़रबैजान में आयोजित COP-29 में **संयुक्त अरब अमीरात (UAE)** ने "वैश्विक ऊर्जा दक्षता गठबंधन" शुरू किया।
- **"वैश्विक ऊर्जा दक्षता गठबंधन" के बारे में**
  - **लक्ष्य:** 2030 तक वैश्विक ऊर्जा दक्षता दरों को दोगुना करना और उत्सर्जन में व्यापक कमी लाना।
    - इसका उद्देश्य **रणनीतिक सार्वजनिक-निजी भागीदारी** को प्रोत्साहित करना और ऊर्जा दक्षता पहलों में निवेश को बढ़ावा देना है।
  - यह गठबंधन **सर्वोत्तम कार्य-प्रणालियों को संकलित करने और प्रसारित करने पर ध्यान केंद्रित** करेगा। इसमें अफ्रीकी देशों की सहायता पर विशेष जोर दिया जाएगा।
- यह पहल **COP-28 की 'UAE कंसेंसस'** पर आधारित है।
  - यह **कार्बन उत्सर्जन को कम करने और संधारणीय संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता** वाली पहल है।

## दूसरा भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन

- दूसरा भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन **रियो डी जेनेरियो** में आयोजित हुआ।
  - इसका आयोजन **G-20 शिखर सम्मेलन 2024 के दौरान** किया गया।
- **सम्मेलन के मुख्य परिणामों पर एक नजर**
  - **ऑस्ट्रेलिया-भारत व्यापार विनिमय (AIBX) कार्यक्रम:** इसे जुलाई 2024 के बाद से 4 और वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया।
    - AIBX को **2021 में शुरू** किया गया था। इसका उद्देश्य **व्यवसाय जगत को बाजार की जानकारी प्रदान करना और वाणिज्यिक साझेदारी को बढ़ावा** देना है।
  - **भारत-ऑस्ट्रेलिया अक्षय ऊर्जा भागीदारी (REP):** इसे **सोलर पीवी, ग्रीन हाइड्रोजन, एनर्जी स्टोरेज जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग** हेतु फ्रेमवर्क प्रदान करने के लिए शुरू किया गया है।

## संयुक्त विमोचन 2024

- भारतीय थल सेना ने **गुजरात में बहुपक्षीय वार्षिक संयुक्त मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) अभ्यास, 'संयुक्त विमोचन 2024'** का आयोजन किया।
- **संयुक्त विमोचन के बारे में**
  - इस अभ्यास में **आपदा राहत प्रयासों से जुड़ी सभी एजेंसियां** शामिल हुई हैं। इस तरह यह अभ्यास **समग्र सरकार के समन्वय की आवश्यकता** को दर्शाता है।
    - खाड़ी सहयोग परिषद, हिंद महासागर क्षेत्र और दक्षिण-पूर्व एशिया के **9 मित्र देशों ने भी अभ्यास में भाग लिया।**
  - यह **आपदा से निपटने में भारत की तैयारियों और कार्रवाई करने की क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा** में एक महत्वपूर्ण कदम है।
    - इस तरह यह अभ्यास वैश्विक स्तर पर **आपदा प्रबंधन में भारत के नेतृत्व को मजबूत** करेगा।

## एरोट्रैक (AroTrack)

- IIT **बॉम्बे** के वैज्ञानिकों ने **'एरोट्रैक'** नामक **जल-प्रदूषक पता लगाने** वाला एक **पोर्टेबल उपकरण** विकसित किया है।
- **एरोट्रैक के बारे में**
  - यह उपकरण **जल के नमूनों से हानिकारक 'एरोमैटिक जेनोबायोटिक' प्रदूषकों, जैसे- फिनोल, बेंजीन और जाइलेनॉल** का पता लगाने के लिए **प्रोटीन-आधारित बायोसेंसर** का उपयोग करता है।
    - **एरोमैटिक जेनोबायोटिक यौगिक** जीवित जीवों के लिए **अत्यंत विषैले** हो सकते हैं तथा उनका **पता लगाना भी कठिन** होता है।
  - **इंजीनियर्ड प्रोटीन डी.एन.ए. अनुक्रम वाला MopR बायोसेंसर** अलग-अलग प्रदूषकों की पहचान करने में सक्षम है। इसमें एक **LED फोटो ट्रांजिस्टर** लगा होता है जो विविध तीव्रता के प्रकाश के माध्यम से परिणामों को प्रसारित करता है।
  - **महत्त्व:** इसकी कम लागत व बैटरी चालित प्रकृति जल गुणवत्ता परीक्षण में क्रांति ला सकती है।

## मैकेनिकल इंजीनियर्ड लिविंग मैटेरियल्स विद कम्पोस्टेबिलिटी, हीलेबिलिटी एंड स्केलेबिलिटी (MECHS)

- हाल ही में, वैज्ञानिकों ने एक **नया बायोप्लास्टिक** विकसित किया है। इसे **मैकेनिकल इंजीनियर्ड लिविंग मैटेरियल्स विद कम्पोस्टेबिलिटी, हीलेबिलिटी एंड स्केलेबिलिटी (MECHS)** नाम दिया गया है।
- **MECHS के बारे में**
  - यह **प्रकृति-प्रेरित समाधान** है, जिसमें स्वयं को **पुन: उत्पन्न करने, विनियमित करने और प्रकाश जैसे बाहरी उत्प्रेरकों पर प्रतिक्रिया** करने की क्षमता है।
  - इसमें **इंजीनियर्ड ई. कोलाई बैक्टीरिया को फाइबर मैट्रिक्स के साथ जोड़कर** कागज या फिल्म जैसी सामग्री तैयार की गई है।
  - MECHS **पानी में और यहां तक कि खाद के डिब्बे में भी जैविक रूप से अपघटनीय** (Biodegradable) है।
  - **MECHS को अपनाने में चुनौतियां:** इंजीनियर्ड ई. कोलाई बैक्टीरिया की जीनोमिक स्थिरता; इकोनॉमी ऑफ़ स्केल व लॉजिस्टिक्स संबंधी बाधाएं आदि।

## ATACMS मिसाइल

- यूक्रेन ने रूस पर हमला करने के लिए **संयुक्त राज्य अमेरिका में निर्मित ATACMS मिसाइलों** का इस्तेमाल किया।
- **ATACMS मिसाइलों के बारे में**
  - ATACMS सतह से **सतह पर मार करने वाली लंबी दूरी की गाइडेड बैलिस्टिक मिसाइल** है।
  - इसकी **अधिकतम मारक क्षमता 300 किलोमीटर** है।
  - इसमें **ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम** के साथ बेहतर गाइडिंग पैकेज है।
  - ATACMS मिसाइलों को **HIMARS और MLRS M270 प्लेटफॉर्म्स** से दागा जाता है।

## जीवाश्म ईंधन अप्रसार संधि (FF-NPT)

- **अजरबैजान की राजधानी बाकू** में आयोजित UNFCCC COP-29 में यह घोषणा की गई कि **FF-NPT पर चर्चा में 10 और देश** शामिल हो गए हैं।
- **FF-NPT के बारे में**
  - इसकी संकल्पना **2016** में की गई थी और इसे **आधिकारिक तौर पर 2019 में लॉन्च** किया गया था।
  - यह **नागरिक समाज, अनुसंधान संगठनों, नोबेल पुरस्कार विजेताओं, सरकार** आदि का एक समूह है।
  - **यह संधि निम्नलिखित 3 स्तंभों पर कार्य करती है-**
    - **अप्रसार:** नवीन जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल व गैस) के उत्पादन को रोकने के लिए वैश्विक सहयोग।
    - **उचित तरीके से चरणबद्ध समाप्ति:** विकसित राष्ट्र अपनी क्षमता और ऐतिहासिक उत्सर्जन के आधार पर मौजूदा जीवाश्म ईंधन सुविधाओं को बंद करने में अग्रणी भूमिका निभाएं।
    - **न्यायोचित परिवर्तन:** प्रभावित श्रमिकों, समुदायों और देशों के लिए आर्थिक सहायता सुनिश्चित करते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को तीव्र गति से आगे बढ़ाना।

## अफ्रीकी पेंगुइन

- हाल ही में, अफ्रीकी पेंगुइन को **IUCN रेड लिस्ट में क्रिटिकली एंडेंजर्ड** के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।
- **अफ्रीकी पेंगुइन के बारे में**
  - यह **पेंगुइन की एकमात्र प्रजाति** है, जो अफ्रीका में पाई जाती है।
  - **विशेषताएं:** यह **सबसे छोटी** पेंगुइन प्रजातियों में से एक है। **नर पेंगुइन** आम तौर पर मादाओं से थोड़े **बड़े** होते हैं।
    - उनकी आंखों के ऊपर एक छोटी **गुलाबी ग्रंथि** होती है, जो उन्हें उच्च तापमान को सहन करने में सक्षम बनाती है।
  - **व्यवहार:** ये स्वरों और शारीरिक भाषा के माध्यम से एक दूसरे के साथ संवाद करते हैं- जैसे देर तक चोंच को खोले रखना, चोंच दिखाना, चोंच मारना और चोंच से वार करना आदि।
  - **आहार:** वे पेलेजिक स्कूलिंग फिश, विशेष रूप से सार्डिन और एन्कोवी खाते हैं।

## यूनिफाइड कॉम्प्लेक्स रेडियो एंटीना (UNICORN)

- **भारतीय नौसेना** के युद्धपोतों के लिए यूनिकॉर्न (UNICORN) मस्तूलों (Mast) के सह-विकास हेतु **भारत सरकार ने जापान के साथ कार्यान्वयन ज्ञापन** (Memorandum of Implementation) पर हस्ताक्षर किए।
- **यूनिकॉर्न के बारे में**
  - यूनिकॉर्न, **एकीकृत संचार प्रणालियों** वाला एक मस्तूल है, जो **नौसेना प्लेटफॉर्म्स** की रडार से बच निकलने वाली विशेषताओं (Stealth characteristics) को बेहतर बनाने में मदद करेगा।
    - भारतीय नौसेना वर्तमान में **भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) के एडवांस्ड कंपोजिट कम्युनिकेशन सिस्टम** का उपयोग करती है। यह जहाजों में संचार के लिए चौथी पीढ़ी की एकीकृत वॉयस / डेटा प्रणाली है।
  - यह भारत और जापान के बीच **2015 में हस्ताक्षरित रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन** का पहला मामला है।